SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI SHAMBHU SHARAN PATEL (Bihar): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI KAMAKHYA PRASAD TASA (Assam): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. ANIL SUKHDEORAO BONDE (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Need to start the operations on India-Bangladesh Maitri Bridge on Feni River

श्री बिप्लब कुमार देब (त्रिपुरा) : महोदय, मैं आपके माध्यम से विदेश मंत्रालय से आग्रह करना चाहूंगा कि भारत सरकार बंगलादेश सरकार के साथ हस्तक्षेप कर फेनी नदी पर बने भारत-बंगलादेश मैत्री ब्रिज का ऑपरेशन जल्द शुरू कराने का प्रयास करे।

महोदय, 9 मार्च, 2021 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और बंगलादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना जी ने वर्चुअल रूप से भारत-बंगलादेश के बीच फेनी नदी पर बने मैत्री ब्रिज का उद्घाटन किया था, मगर बंगलादेश की तरफ से अभी तक लैंड कस्टम स्टेशन नहीं खोला गया है, जिसकी वजह से इस अति महत्व की परियोजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। महोदय, ऐसा बताया गया है कि राज्य सरकार ने इस विषय में विदेश मंत्रालय के साथ संवाद किया है, मगर मैत्री ब्रिज का ऑपरेशन अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। हमारी तरफ, यानी भारत की तरफ से सारी जरूरी सुविधाएं बना ली गई हैं, मगर बंगलादेश की तरफ से लैंड कस्टम स्टेशन का कार्य अधूरा है। अत: आपसे आग्रह है कि भारत सरकार बंगलादेश सरकार से बात कर ऑपरेशन शुरू होने में व्याप्त कमियों को दूर करे, ताकि यात्रियों की आवाजाही कम से कम शुरू हो सके।

भारत-बंगलादेश मैत्री ब्रिज का ऑपरेशन शुरू न होने की वजह से त्रिपुरा उस एसओपी का लाभ नहीं ले पा रहा है, जिसके जरिये हमें चट्टोग्राम और मोंगला पोर्ट के उपयोग की अनुमति मिली हुई है। मैत्री ब्रिज के चालू होने से त्रिपुरा समेत पूरे नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों को लाभ होगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक गतिविधि बढ़ेगी।

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्री उपसभापति : प्रमोद तिवारी जी।

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान) : उपसभापति जी, स्पेशल मेंशन पढ़ने का अवसर देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आज आपने इस सत्र में सबसे ज्यादा समय तक सदन चलाने का रिकॉर्ड बना लिया है। मैं इसके लिए सभी माननीय सदस्यों को बधाई देता हूं, जिससे मैं यह विषय उठा सका। यह राजस्थान के जैन लोगों का बड़ा स्थान है।

श्री उपसभापति : प्रमोद तिवारी जी, आप अपना स्पेशल मेंशन पढ़िए।

Need to exclude Shri Sammed Shikharji Parasnath Hill in Giridih district of Jharkhand from the List of Environmental and non-religious tourism

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान) : महोदय, जहाँ श्री सम्मेद शिखर जी पारसनाथ पर्वतराज, गिरिडीह, जैन तीर्थंकरों और अनन्त संतों की मोक्ष स्थली है, वहीं सम्मेद शिखर का कण-कण जैन समाज के लिए पूजनीय है। 2 अगस्त, 2019 को तत्कालीन झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केन्द्रीय वन मंत्रालय द्वारा झारखंड के गिरिडीह जिले के मधुबन में स्थित सर्वोच्च जैन शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर को वन्य जीव अभयारण्य का एक भाग मानकर 'ईको सेंसेटिव' के अंतर्गत पर्यावरण, पर्यटन और अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति दे दी गई थी, जिससे वहाँ पर होटलों आदि का निर्माण तथा पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से मांस-मदिरा का उपयोग शुरू हो जाएगा। पर्यटन गतिविधियों से जैन समाज की आस्था के स्थल श्री सम्मेद शिखर की पवित्रता, आस्था एवं श्रद्धा प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए जैन समाज पिछले तीन साल से आंदोलन कर रहा है और अब तो जैन समाज के हज़ारों लोगों ने अन्न भी त्याग दिया है।